[illegible] ॥ [illegible] नथका हाहम्ले मैदे ॥ योग

सिद्ध आव सेव कुहेले ॥ [illegible] ॥ लन कोद

खाया ॥ [illegible] ॥ झलझलझोलकु दिखाया ॥ २

लबजन मोबि राजे ओलि ॥ घुंडल चेलेनाथ पंथि ॥ ३

देवन्नि र त्रंनदलको ध्याय ॥ [illegible] ॥

दोउ कयादो बालासुन करगुरु कामेदप छाना ॥ [illegible]

[illegible] होय करज्ञोगि ओगजुगलजिरन्ना ॥ ५ ॥ घुंडल गोर

खआया भहु रुपकेसंगकैसा ॥ [illegible]

॥१॥ लेदरवेखरचंदनजैसो॥२॥नाथमहींदरबैठामभागो
बहुरुपबेगबुलायो॥लालपखवाजझालरीलेकरसंग
सबमिलआयो॥३॥गोरखनाथपखवाजलेकरपात्र
नच्यावनलागा॥चलोजिमछिंदरचौकिपरलेईत
उतदेखनलागे॥५॥सकलसभामोघुंडनलगानाथपु
लहो कोई॥चलोमछिंदरमादंल बोलेबेगोबेगबुला
ई॥६॥निकटमपालबगोरखचेलाआकरपगसेलागा॥ ॥१॥
उठकेमछिंदरुकंठसेलगामुखकाजिवडाभागा॥७॥

आग्यासबकुदेकररआहेमभुवनमोआयो॥गोरखकुसंपत
दिखाईकामबिरिवमनभायो॥८॥दिननिकसलआछ्मानक
रीयोलेलफुलेललगायो॥मृगमदकोलनउटनाकियेगो
रखकुनहलायो॥९॥हेमपिताबंरशडुरसभोजनबहु
बिधमानबढायो॥पकबरसलोऔसाकियेगोरखजिप
छेलायो॥१०॥कछुनकियागुरुकाज॥आबठामकुसपं
लदिखायो॥मनमोठामारेलाज॥मुंउमुंआयेकुवेजो
गिसाल॥पकाहेकुगरज॥११॥दलनिरंजननथके

॥२॥ खाल॥ उनसे ठामा राकाज॥ २॥ पकसमेमोमछिंदरआ
गेमिननाथसुलआयो॥ बापहागासिलामियोकुबाहाकेहालप
ठायो॥ ११॥ वाकुलेकरबाहिरआयो छुरीकाहाड डरायो
हागनहिगोरखसेकहलापेकरमंदिर्मीआयो॥ १२॥ औसी
उयोदसबारकियोलबतुनेहागदियो॥ नाथमछिंदरगो
रखसेघोकरल्यावोफर्मायो॥ १३॥ लबगोरखजिनेमिन
नाथकुचरलिबाहारल्याया॥ पावप करकरसीलपर ॥२॥
पटकेधोपधापके[illegible]॥ धोपधापकेसुकनेडारा

॥ मछिंदरआयान॥ ७॥

आकरपगसेलागा॥ काहागोरखसुलकहलाहैआव
गलकहनेलागा॥ १५॥ नाथरोवेपुलपुल॥ मायरामाशी
पुलकेसाल॥ ओगलियहामईसिजुमल॥ १॥ गयाओग
राजेक्रियापर्पच॥ नादनकियाम[illegible]दशाल॥ २॥ आब
मेरेसालीकिसाल॥ रानिराजमहिलनहिमुखल॥ ३॥ पेसा
रोवेमायाहैनाथ॥ निरजंनदलछुबेनाथ॥ ४॥ मिनना
थकुमारछयाउकरकेउलुऔसाकियो॥ रहनिलुभा
रीवसिसाघुमनमोकपटघरीयो॥ १६॥ मिननाथ

॥३॥ कि माला दोरी पुलपु लपुकारे॥ काहा गोरख धोकर काया
काहा सुकनेडा रे॥१७॥ काहे कारन हाम रोगो रख लुलो
बिर्धि चलाया॥ हाम लोन ओनो ओसा चेला के डंगुरु ब
चन चलाया॥१८॥ मिननाथ कि माला च बंडा डारी मंछि
दर के आगे॥ मिननाथ कु फेर डेगा वो कहु कर रोव
नं लगे॥१९॥ मछेदर गोरख से कहता है औसा कर
ना ले रा॥ सेवन लगी रानि आवलो पान लियो है मेरा ॥३॥
॥२०॥ श्लोक॥ काय शिष्या: डागला विला॥ चंद्रक वं कि

दिसु कागला॥१॥ उन कायं लु ड्या विरलिप्ति॥ जोग दा को
निःमाया विछि सि॥२॥ पे कघेउ निःजे दपाहि ला॥ देहेज
डल: सा चिनिर्रि ला॥३॥ आगमज्ञान: लुज आहे॥ विर्हिल
कछ: लुज काय ला हे॥४॥ नाथ निरंजन: गुरुदन ध्या
य॥ आपन करी ना:त के चिपा हे॥५॥ गोरख मे ध्या से
कहता है मिननाथ जेगाउ॥ नाथ मछिंदर गुरु हामा
रे उन कु ले कर ज्याउ॥२१॥ नाथ जिसे कहते मै पा गुरु
मंछिंदर ले रा॥ लेजावो मन न माने लु लो दे कर सुल

॥४॥ हामारा॥२२॥गोरखजिनेभाकलेकरमिननाथबुलायो॥
चबंडाव्यासोरवडबडउलारुनझुनखेलल आयो॥
॥२३॥आवरेमिनाआवरेमिनादुसराबेगबुलायो॥बचन
निकसलमिनाआयोसोमालाकुदियो॥२४॥यकमिनाकि
स्थनलगायोदुसरेकुसिदियो॥ मिनाकहेलेलिसरेआ
योफेरउन्हेपछलायो॥२५॥कापागोरखाआसेमांडिले
हिलछिरोमिःदुखदिघले॥१॥माझेबाव्हःसंगुनचागले
लुवालोपुनिभुलआनिके॥२॥योगिहोलसाःविह्यसिक
लासि॥ पुत्रमारोनिःराजेबुडविसि॥३॥ध्याननिरजंन ॥४॥

॥मछिंदरआख्यान॥७॥

कायविसर्सि॥सुधनामलेकायसोडिसि॥४॥आवरेमिना
आवरेमिनाकहलेलबकामआयो॥मालावेखलसेवनल
गिपुलनहिकालबुलायो॥२६॥मालागारखजिसेकहलि
यकमिनजेगावो॥ पग लगलिआबकेबेरीयसलबेग
लिआवो॥२७॥गोरखजिलबलासकरबोलेयकरसो
मबज्यावो॥यकरहेसबदुरकियोसोमालाकुदियो॥ ॥२८॥
करामतकेमिनादुरकियोमैपाजिसेबोले॥यकमि
नाकुलुमकोदियोगुरुसेबचनबोले॥२९॥आबला

॥५॥ मारे सालचलना मंछिदर से कहला॥ छ्यांड दिज्यो हे मा
पासब हिया हा काहे लो लिड ला॥३०॥ पद॥ विषयाचि
आशा सोड॥ तन दे हे सुख लहिल विचारी॥ सवै विश
ईना ड॥१॥ देहे सुखाचे हिल मानि॥ संसाराचि नाड॥२॥
आदिपुरुष ध्यानि ध्याय॥ नाम सुद्ध है गोड॥३॥ रानि ने लख
आग्या दिन्हो नाथ जि तुम ज्यावो॥ रतन अमोलि क बहु
बिध दियो सांईजि तुम बेग आयो॥३१॥ रानि सुल आ कर ॥५॥
पगासे लगि देखलशे नलगे॥ फेर मिलना हाम से तुम

मसे पहि बि छसे आगे॥३२॥ नाथ मंछिंदर गोरख ले कर
निरंजन मोआयो॥ हिंडल फिर लहाय गोरख डार कछु हा
ममन भरीयो॥३३॥ गोरखनाथ गुरु से कहला कौ से डर
याहा भायो॥ माया लो सब छोड दिन्हो प लुम भेद बलायो
॥३४॥ चलले चलले पंथ आगे बिकट रान दिखायो॥
ताहा मछिंदर कहने लगा याहा डार गोरख आयो॥३५॥
गोरखनाथ तब पगसे लगा सांहि जिडर काहे का॥

॥६॥ हाममलाउवासिकिरलेओगिक्याडरईसजंगलका॥३६॥
औसाकहलाचेलाईनकाचिलनहियारे॥लगरहि
मायारहिलोकिकाहेकुजगफिरे॥३७॥गोरखजिने
बालपछानिईनकछुमायाधरीयो॥चेलाहोउलोहि
छुडाउहामछोडकेफेकलियो॥३८॥चेलाकहलाना
थगुरुजिझोलिमोकुदिओ॥बोझेबेगहिकानिपाउफेर
करलुमहिलिओ॥३९॥नाथजिकिझोलिलेकरपाछे ॥६॥
चलआयो॥फेकदिन्होरलनसबहिफलरझो

लिमरीयो॥४०॥पंथचेलतेलबजेंगलआगेबहु
बिघबिकटदेखा॥नाथमछिंदरकहलागोरख
सुनहोमनकालेखा॥४१॥गोरखकहेलेखाके
साडरलोपाछेडारा॥आवधुलत्रभुवलनिरंजनड
रलाहाथरहामारा॥४२॥पद॥कैसाकरनागोरख
आवहामारीमायाछुटि॥गयामनकासुख॥१॥गईसु
खसपंतलसुलसुंदरा॥मनमोछुकछुका॥२॥जेगकिम
हिमाःजेगकोदिखावे॥पहिबिघसेदेख॥३॥सबज

॥७॥ नकोलगरहिमाया॥ ज्ञलमनहिसुख॥४॥ दलनिरजंनछोड
केमाया॥ लेखेवोमुरख॥५॥ स्लोक॥ गोरखजिलुञकारन
वहुविद्धरतनबधायो॥ सबदिनसरीसेनहिवाहिकारन
लियो॥४३॥ कैसाकरनाजु॥ काहाआबरहनाजु॥ साति
नहिहामकुजु॥ राजयरह्यापिछुजु॥१॥ गयापथंहामसे
जु॥ नहिसुधारीकायाजु॥ लाजेलगेहामकुजु॥ क्याकर
नापथंजु॥२॥ गयादिनकाकुदंजु॥ गयादेहिकाध्या
नजु॥ गयापिछेकादिनाजु॥ गयानदिकापानिजु ३॥
॥७॥

गयासुरजकालेजजु॥ गयादिनकाधुधंजु॥ कहेमछि
दंरनाथजु॥ सुनोगोरखपुतजु॥४॥ पद॥ कहलागो
रखः सुनोनाथ॥ गईनदिःउलकपानि॥ रहेनिश्चल
बानि॥ गयाबादलःढुवेरखुकासा॥ वैसानाथलुमहा
मेसा॥२॥ गईबसोलःपिछेकापानि॥ मोलनकिखु
बबानि॥३॥ आबहामारेःसातरहेना॥ मानोगोर
खबचन॥४॥ ओसाकहलाःहायवोसुल॥ गुरुचितनहि
रहल॥५॥ स्लोक॥ गोरखनाथकहलासाईहामशेफ

॥८॥ २ नायो॥ फलरकऊपर मोतिया होसो रतन लियो॥ ४४॥
देख मछिंदर तब पछतायो औसा चेला मेरो॥ जोग
जुगुत कि रहनि हामारी दियो सोहाम बिसरो॥ ४५॥
जोग जुगुत कि रहनि घर निनिरंजन मो आयो॥ नाथ म
छिंदर गोरख चेला सम रस चित लगायो॥ ४६॥ चेला औ
सा करना जु॥ हामेशा ध्यानि रहना जु॥ १॥ लवन मिलेपा
नि जु॥ वैसा शिष्य होना जु॥ २॥ आपने पंथ चेले जु॥ ॥८॥
आप उजाला मानि जु॥ गुरु सुन्मे मीले जु॥ उसमो

सामिल होवे जु॥ ४॥ सुनमो ध्यान करे जु॥ सुन मो सुन
रहि जु॥ ५॥ सुन का मे दीसुनो जु॥ गुरु दत ध्यान सजो
जु॥ ६॥ रामदास सांहि के दर्शन मन आव चित लगा॥
आव घुलगुरु देव निरंजन मन काधो का भागा॥ ४७